मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 162, मुंबई, शुक्रवार, 4 सितंबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

चीन से एलएसी पर तनाव

शरद पवार बोले- हमें घेर रहा 'ड्रैगन'

मुंबई। पूर्व रक्षा मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने बृहस्पतिवार को कहा कि चीन भारतीय उपमहाद्वीप को 'गुप्त रूप से' घेर रहा है और भारत को श्रीलंका तथा नेपाल के घटनाक्रमों पर करीबी नजर रखनी चाहिए।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

पुणे में चौंकाने वाली वारदात

युवक का अपहरण किया, फिर जेसीबी से कुचलकर की

हत्या

संवाददाता

पुणे। पुणे से सटे पिंपरी चिंचवाड़ जिले में उधार के पैसे न चुकाने पर दोस्त ने ही युवक का पहले अपहरण किया गया और फिर जेसीबी से कुचल कर उसकी जघन्य हत्या कर दी। इसके बाद वारदात को छिपाने के लिए आरोपी ने युवक के शव को जमीन में 10 फीट नीचे दफना दिया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

शव को जमीन में 10 फीट नीचे दफनाया

लॉकडाउन की वजह से पैसे नहीं लौटा पा रहा था

विवेक मुगलीकर ने बताया कि संतोष ने अपने बिजनेस के लिए गणेश से कुछ पैसे उधार लिए थे। लॉकडाउन के कारण उसका बिजनेस डूब गया और वह गणेश के पैसे लौटाने में अक्षम हो गया। इसके बाद संतोष और गणेश के बीच पैसों को लेकर विवाद शुरू हो गया। इस बीच 16 अगस्त को संतोष अपने काम के सिलसिले में घर से बाहर निकले थे और गणेश ने अपने दो साथियों की मदद से उसका अपहरण करवा लिया।

उधार के चंद रुपए को लेकर हुआ था विवाद, बिजनेस के लिए मृतक ने लिए थे रुपए, पुलिस ने कॉल डिटेल के आधार पर आरोपी युवक को गिरफ्तार किया, पूछताछ में गुनाह कबूला

पूजा स्थलों को फिर से खोलने पर सतर्कता बरती जा रही: उद्धव

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

रिया के भाई का ड्रग्स पैडलर्स से कनेक्शन

शोविक और उसके दोस्त के बीच हुई ड्रग्स चैट सामने आई, रिया के भाई ने उसे दिए पांच ड्रग्स डीलरों के नंबर

मुंबई। सुशांत की मौत का मामला अब ड्रग्स के एंगल तक पहुंच चुका है। ड्रग्स के मामले में रिया चक्रवर्ती और उनका परिवार फंसता हुआ नजर आ रहा है। रिया और उनके भाई शोविक की ड्रग्स के व्यापार से जुड़े कुछ चैट और उनके पिता के लिए बेटे द्वारा ड्रग्स खरीदने की बात भी सामने आ चुकी है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

सोशल प्लेटफॉर्म की चिंता

फेसबुक पर अभिव्यक्ति और अभिव्यक्ति पर अंकुश, दोनों ही विषयों पर भारत में ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में चिंता का आलम है, तो कोई आश्चर्य नहीं। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, दोनों को ही फेसबुक से शिकायत है। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस पिछले कुछ दिनों से लगातार फेसबुक की शिकायत करती आ रही है, तो अब केंद्र सरकार ने भी आधिकारिक रूप से अपनी नाराजगी का इजहार कर दिया है। बुधवार को सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय समिति इस मामले पर ज्यादा सक्रिय थी, तो उधर पश्चिम बंगाल सरकार या तृणमूल कांग्रेस ने भी फेसबुक से अपनी नाखुशी का इजहार कर दिया है। कुल निचोड़ यह है कि सभी को फेसबुक से शिकायत है और सभी चाहते हैं कि इसे नियंत्रित किया जाए। ताजा खबर यह है कि अनेक देशों में फेसबुक ने अपने अधिकार बढ़ा लिए हैं और अब वह आपत्तिजनक या स्थानीय कानूनों या नियामकों के मद्देनजर कंटेंट को हटा या बाधित कर सकता है। एक अक्तूबर से फेसबुक यह काम करने लगेगा। उसने अपने उपभोक्ताओं को इस बारे में सूचित करना शुरू कर दिया है। यह जरूरी है कि ऐसे ही नियम भारत में भी लागू हों। स्थानीय कानूनों के अनुरूप ही किसी पोस्ट के प्रसारण को मंजूरी मिले। दरअसल, फेसबुक अमेरिका से लेकर भारत तक एक ऐसा सशक्त मंच बच चुका है, जिस पर हरेक पक्ष, विचार, संगठन के लोग समान रूप से सक्रिय हैं। यह बात छिपी नहीं है कि अनेक कंपनियां और सियासी पार्टियां भारी धन खर्च करके फेसबुक के माध्यम से अपना-अपना नैरेटिव लोगों के गले उतारने में जुटी रहती हैं और इस प्रक्रिया को किसी भी सोशल मंच पर रोकने के लिए नियम-कायदे कड़े करने की जरूरत है। यह जरूरी है कि फेसबुक को अंकुश में रखा जाए और अंकुश किसी सत्ताधारी पार्टी या सरकार का नहीं, बल्कि नियम-कायदों का हो। भारत में अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग पार्टी की सरकारें हैं और जो पार्टी जहां मजबूत है, वहां वह अपने हिसाब से फेसबुक को ही नहीं, बल्कि अन्य सोशल मंचों को भी संचालित करने की कोशिश करती है। एक गंभीर समस्या और है। ऐसे सोशल मंच वाली कंपनियों में काम करने वाले इंसान ही हैं और उनकी भी अपनी विचारधारा संभव है। आज फेसबुक कंपनी के विरुद्ध सबसे बड़ी शिकायत यही है कि वह विचारधारा के आधार पर कंटेंट का संपादन कर रही है। अच्छा यही होगा कि फेसबुक अपने संपादकों व कर्मचारियों को निष्पक्ष और संवदेनशील बनाए। ऐसा नहीं हो सकता कि कोई सोशल मीडिया मंच पैसे लेकर किसी कंटेंट को रोके या प्रसारित करे। यह आम लोगों का मंच है और यहां जिसकी लाठी उसकी भैंस की कहावत चरितार्थ नहीं होनी चाहिए। आज सरकार से भी बड़ी जिम्मेदारी संसदीय समिति की है, जिसमें सभी दलों के नेता हैं। उन्हें सवार्नुमति से एक आचार संहिता का निर्माण करना चाहिए। कानून के दायरे में नागरिकों के अधिकारों की रक्षा बहुत जरूरी है और उससे भी जरूरी है सोशल मंचों के दुरुपयोग को रोकना। यदि हम इस मंच के दुरुपयोग को रोक पाते हैं, तो यह हमारी एक बड़ी सफलता होगी। जहां तक फेसबुक का सवाल है, तो उसके लिए सबसे बड़ी सफलता यही होगी कि वह सत्ता या धन के अनावश्यक दबाव में अपना दुरुपयोग न खुद करे और न किसी को करने दे।

संसद होगी पर प्रश्न नहीं होंगें !

क्यो भई मोदी-शाह के अखंड साम्राज्य में वो हर बात होगी जो 70 साल में नहीं हुई। संसद में यदि सवाल नहीं होंगें उनके जबाब नहीं दिये जायेंगें तो फिर संसद के मायने क्या? सांसद को जनता ने सवाल के लिये ही चुना है, जब सवाल ही नहीं तो सांसद के वेतन भत्ते भी बंद होने चाहिए, बिना काम के बेतन क्यो? संसद में प्रश्नकाल नहीं होगा, क्योकि रूह कांपती है, अपने कुकर्मो को याद कर या उनका जिक्र भर हो जाने से, रंगीले बादशाह के रंग में भंग हो जाता है। प्रश्न काल क्यो नहीं होना चाहिए, क्योकि कोई ये ना पूछे कि लद्दाख का सच बताओ, पीएम केयर का सच बताओ, 8500 करोड के विमान की जरूरत बताओ, रेल से लेकर हिन्दुस्तान एयरोनाटिक्स बेचने की मजबूरी बताओ, ये बताओ कि जब समूचे देश की जीडीपी औधे मुंह गिर कर रसातल को चली गयी इसी दौर में मोदी के दोनों आकाओं की सम्पत्ति दिन दूनी रात चैगुनी रफ्तार से कैसे बढ़ गयी। ये सवाल न पूछा जाये कि जब देश डूब रहा है तब भाजपा के कार्यालयों की पंचसितारा सीरीज कैसे पनप रही है। ये न पूछा जाय कि लद्दाख में जब सेना चीन के खिलाफ पूरी तैयार है तब सेना के हाथ से बंदूक छीन कर माइक क्यों पकडया जा रहा है। विदेश और रक्षा मंत्री जिस दौर को सबसे कठिन कह रहे है प्रधानमंत्री उसको सबसे महफूज क्यों मान रहे है। संसद का प्रश्नकाल इसलिये न हो कि कोई ये न पूछे कि आप, अमेरिका के कापोर्रेट के साथ मिल कर भारत के गांवों का डिजिटल सर्वे कर गांव की आवासीय सम्मपति को टैक्स में लाने का कुचक्र रच कर किसानों ग्रामीणों को बंधक क्यों बनाना चाहते हैं, गांव के खेत खलिहानों को अमेरिका की शै पर गिरवी क्यो रखना चाहते है। आपने संसद के बिना ही आर्डिनेंस लाकर किसानों की कमर तोडने वाला फॉर्मर्स प्रोड्यूस ट्रेड एंड कॉमर्स कानून क्यो बनाया और किसको पूछ कर बनाया। संसद में प्रश्नकाल इसलिये न हो कि, कोई ये न पूछ सके कि केन्द्र राज्यों का सारा जीएसटी ठग कर कहां लुटा आया, जबरन लूटे गये रिजर्व बैंक के रुपए गये तो कहां गये। कोई ये न पूछे कि 2 करोड रोजगार देने वाले ने 16 करोड लोगों के हाथ से रोटी क्यो छीन ली। 6 करोड लोग नौकरियों से क्यो निकाल दिये गये। कोई ये न पूछे कि विश्व गुरू के सपने दिखाने वाले ने देश को दुनिया के सबसे असुरक्षित देशों की सूची में कैसे डलवा दिया। जहां यूरोप अमेरिका को अपने नागरिकों को भारत न जाने की सलाह जारी करनी पड गयी। कोई ये न पूछे कि विश्वगुरू के देश में 30 करोड लोग आज भूखे क्यो सो रहे है। विश्व भुखमरी सूचकांक में भारत नेपाल बंग्लादेश पाकिस्तान से भी बदतर हालात में क्यो चला गया।

इन सात सालों के कुप्रबंधन अय्याशी और अट्टाहास ने इतने सवाल खड़े कर दिये है कि उतनी तो जबाब देने वालों की उम्र भी शेष नहीं रही। सवाल! लोकतंत्र का आधार है, सवाल! लोकतंत्र का ईंधन है, सवाल! लोकतंत्र का पहिया है और सवाल ही लोकतंत्र की आत्मा है! तुम्हारी आत्मा तो मरी हुई ही है ये पूरा देश जानता है किन्तु देश की आत्मा को मारने का ये कुचक्र क्यो कर रहे हैं। संसद! किसी राजनैतिक व्यक्ति या दल का प्रतिनिधित्व नहीं करती, संसद 'हम भारत के लोगों' का प्रतिनिधित्व करती है, भारत के हजारों सवाल हैं, यदि प्रश्नकाल नहीं होगा तो भारत ने संसद चुनी क्यों? इस सवाल का जबाब भी उनुत्तरित रह जायेगा। कम से कम इस एक सवाल के लिये तो प्रश्नकाल लाओ-सारे जबाब एक साथ मिल जायेंगें। हिटलर ने संसद को ही आग लगा दी थी ये कह कर कि सवाल जबाब से समय खराब होता है, क्या हम भी इतिहास के उस दृश्य को 2024 से पहले पहले देखने जा रहे है।

नेता बनने की लड़ाई नहीं लड़ रहा हूं, देश और तिरंगा बचाने के लिए लड़ रहा हूंः शाहिद आफरीदी

मधुबनी संवाददाता/मो सालिम आजाद

वह समय अब दूर नहीं है जब इतिहास में पढाया जायेगा भारत की अंतिम सरकारी ट्रेन, अंतिम सरकारी बस, अंतिम सरकारी एयरपोर्ट व अंतिम सार्वजनिक उद्योग कौन सा था? किसी सरकारी उपक्रम या सरकारी संस्थान के निजीकरण होने पर आम जनता का चुप रहना एक दिन पूरे देश को भारी पड़ेगा। क्योंकि जब सारे स्कूल, सारे अस्पताल, सारे रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डे, बिजली, पानी, सब निजी (प्राइवेट) हांथों में होगा तब आप देखेंगे कि तानाशाही क्या होती है?

ध्यान रहे सरकार व सरकारी उपक्रमों का उद्देश्य होता है कम से कम कीमत में ज्यादा से ज्यादा लोगों तक सेवा पहुंचना! जबकि प्राइवेट संस्थानों का उद्देश्य ही होता है कम से कम लागत में ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कमाना। उदाहरण के रूप में आओ आज प्राइवेट स्कूल और प्राइवेट अस्पतालो का हाल देख लो! अंदर घुसते ही आम आदमी की घर, मकान व जमीन बिक जाएगी। निजीकरण रूपी साजिश पर देश की जनता की चुप्पी ही देश को चंद उद्योगपतियों का गुलाम बनाने की नीति में सहायक है। आपकी इस चुप्पी का भुगतान पूरे देश की जनता को करना होगा। इसलिए आपको जागना होगा और अपने देश व देश की सार्वजनिक संपत्तियों को बचाना होगा। रेल को बचाना होगा, शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों को बचाना होगा, सरकारी कर्मचारियों व सरकारी विभागों को बचाना होगा। कोरोना रूपी इस महामारी ने तो बखूबी आईना दिखाया कि मुसीबत के समय सरकारी कर्मचारी (डॉक्टर, पुलिस, सफाईकर्मी,

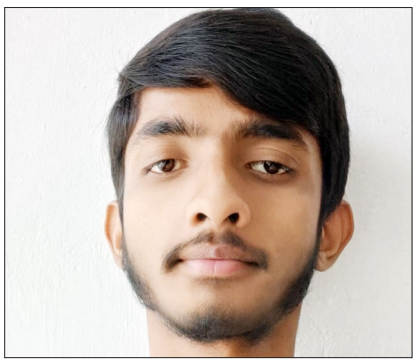

स्वास्थ्यकर्मी, लेखपाल, ग्राम सेक्रेटरी आदि) व सरकारी परिवहन एवम सरकारी विभाग ही काम आए। अतः सभी को निजीकरण का विरोध करना चाहिए वरना आने वाले समय मे इस देश को कुछ ही उद्योगपति घराने चलाएंगे। और हां.. अगर आप किसी पार्टी के खिलाफ शिक्षा, बेरोजगारी स्वास्थ्य, सड़कें, इन सबके लिए भी नहीं बोल सकते तो फिर आप दास प्रथा की तरफ अग्रसर हैं।

इस वक्त के मौजूदा हलात को देखकर हर व्यक्ति को वतन परस्ती कि सबूत पेश करना होगा जिस तरह से बीजेपी हुकूमत देश की मिट्टी को बेचकर अपनी कार्यालय बनाने में व्यस्त हैं मन की बात जब भी मोदी जी बोलते हैं देश गंभीर स्थिति में कुछ ना कुछ हर वक्त खोने की स्थिति में आ जाती है मोदी जी मन की बात छोड़िए और देश समाज धर्मनिरपेक्ष की ओर विकास की प्रगति को मजबूत बनाएं जिससे आने वाले पीढ़ी के लिए मजबूत विकल्प बने बिहार चुनाव की मौसम 2015 में जिस तरह से आपने वादा करके गया था के हम पटना यूनिवर्सिटी को केंद्रीय यूनिवर्सिटी का दर्जा देंगे वह अभी तक 5 साल के कार्यकाल में क्यों नहीं हुआ, आप एक खुद ही कमजोर प्रधानमंत्री साबित हो चुके हैं इसी तरह से देखा जाए बिहार के लिए विशेष पैकेज की बात कही गई थी। क्या कारण है क्यों नहीं मिला?

उदाहरण तौर पर देखा जाए तो कई ऐसे बुनियादि सवाल है जो अभी तक में वादा करके मुखर गए है प्रधानमंत्री मोदी जी किस कारण से धरातल पर काम नहीं उतर सका। क्योंकि बिहार विकसित हो जाएगा तो इनलोगो को दलाली करने में मुश्किल होगी इसलिए आज हमारा ये हाल है रियासती सदर ने कहा था बहुत जल्द बिहार के लिए विशेष दर्जा हम दिलाकर रहेंगे। सुशासन बाबू नीतीश कुमार भी मोदी के रास्ते पर जुमला बनना सीख गए। बड़ी बड़ी इंडस्ट्रीज लगाने की बात हुई थी बिहार में अभी तक क्यों नहीं हुआ हर तरफ से मोदी जी आपका काम फ्लॉप हो चुका है जिस तरह से आप ने बिहार को ठगने का काम किया बिहार वासियों के लिए अपमान की बात है पिछड़ा और शोषित राज्य बनाकर बिहार को छोड़ने का काम किया। इस बदहाली और शिकारी के वजह से बिहार कब मुक्त होगा बिहार के नौजवानों को खुद की ताकत इस दौर में पैदा करना होगा हमें इन्कलाब जरूरत है गुलामी की नहीं नेता बनने या बनाने के लिए लड़ाई नहीं लड़ रहा हूं देश और तिरंगा बचाने के लिए लड़ाई को लड़ रहा हूं।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, शुक्रवार
4 सितंबर, 2020

पूजा स्थलों को फिर से खोलने पर सतर्कता बरती जा रही: उद्धव

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'अनलॉक' प्रक्रिया के तहत मंदिरों और अन्य पूजा स्थलों को फिर से खोलने की मांग की जा रही है लेकिन उनकी सरकार इस मुद्दे पर सतर्कता बरत रही है। ठाकरे की यह टिप्पणी मुख्य विपक्षी भाजपा और अन्य पार्टियों की उन मांगों के बीच आयी है जिनमें कोरोना वायरस के कारण लागू लॉकडाउन में ढील के तहत धार्मिक स्थलों को फिर से खोला जाए। पिछले हफ्ते भाजपा ने आम लोगों के लिए पूजा स्थल नहीं खोले जाने को लेकर सरकार के खिलाफ अपने प्रदर्शन के दौरान घंटा नाद कार्यक्रम का आयोजन किया था। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन और प्रकाश आंबेडकर नीत वंचित बहुजन आघाडी

भी धर्मस्थलों को फिर से खोलने की मांग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, अनलॉक प्रक्रिया के तहत हमने कई कदम उठाए हैं। मंदिरों और अन्य पूजा स्थलों को खोलने की मांग की जा रही है। लेकिन हमें सावधानी बरतनी होगी। वह पश्चिमी महाराष्ट्र में कोविड-19 की स्थिति की समीक्षा के लिए आयोजित एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सतारा, सांगली और कोल्हापुर जिलों में कोविड-19 मामलों में तेजी आना चिंता का कारण है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों का ध्यान अब मुंबई- ठाणे क्षेत्र से हटकर पश्चिमी महाराष्ट्र के इन स्थानों पर है। ठाकरे ने कहा कि वर्तमान समय चुनौतीपूर्ण है और बारिश के बाद प्रशासन को आने वाले दिनों में नवरात्रि, दशहरा और दिवाली जैसे त्योहारों में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी।

अपनी नाकामियां छुपाने के लिए भाजपा ने रद्द किया प्रश्नकाल: राकांपा

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी ने कई मुद्दों पर अपनी विफलताओं को छुपाने के लिए कोविड-19 के बहाने संसद के आगामी मानसून सत्र में प्रश्नकाल को रद्द कर दिया है। राकांपा ने केंद्र सरकार से प्रश्न पूछने के लिए सांसदों को अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यम मुहैया कराने की भी मांग की। राकांपा प्रवक्ता महेश तपासे ने कहा, कई मुद्दों पर अपनी विफलताओं को छुपाने के लिए भाजपा ने कोरोना वायरस का बहाना कर संसद के मानसून सत्र में प्रश्नकाल रद्द किया है। उन्होंने कहा, भाजपा को किसी अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यम का इस्तेमाल कर सांसदों को सरकार से सवाल पूछने देना चाहिए। राकांपा के एक अन्य प्रवक्ता क्लाइड क्रैस्टो ने अपने कार्टून के जरिये भाजपा की आलोचना की। कार्टून में एक व्यक्ति के सिर के स्थान पर भाजपा का चुनाव चिह्न कमल है और वह प्रश्न चिह्न से भाग रहा है। कार्टून के नीचे लिखा है, संसद में प्रश्नकाल नहीं होगा। आप भाग सकते हैं। आप छुप नहीं सकते।

अब साइकिल से कीजिए बांद्रा से कुर्ला का सफर

मुंबई। मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण ने बांद्रा से कुर्ला के बीच बैटरी से चलने वाली साइकिल सेवा शुरू की है। कुर्ला रेलवे स्टेशन से बांद्रा तक सफर करने वाले यात्रियों को फिट रखने के साथ ही ट्रैफिक से निजात दिलाने के उद्देश्य से साइकिल सेवा की शुरूआत की गई है। इस पहल के बाद ऑफिस में काम करने वाले कर्मचारी साइकिल पर सवार होकर अपने ऑफिस जाते नजर आएंगे। युलू साइकिल सेवा का लाभ उठाने के लिए लोगों को शुरूआत में 5 रुपये अनलॉक चार्ज देने होंगे।

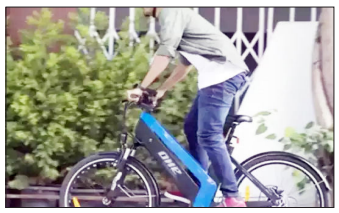

उसके बाद प्रति मिनट डेढ़ रुपये किराया चार्ज किया जाएगा। इस सेवा के अंतर्गत प्रति माह रिचार्ज सेवा के साथ ही 20 से 100 फीसदी डिस्काउंट की भी सुविधा होगी। बैटरी से चलने वाली साइकिल सेवा के लिए ऐप विकसित किया गया है। यात्री साइकिल स्टैंड पर आने से पहले ही ऐप के माध्यम से सायकल बुक कर सकते हैं। इस सेवा का लाभ उठाने वालों को डिजिटल वॉलेट से पेमेंट करना होगा। साइकिल स्टैंड सेवा बीकेसी, बांद्रा स्टेशन और कुर्ला स्टेशन पर उपलब्ध होगी। एमएमआरडीए ने बीकेसी परिसर में बैटरी साइकिल के 18 स्टेशन चिन्हित किए हैं। बांद्रा स्टेशन के सबसे समीप का स्टेशन एसआरए इमारत के पास है। यात्रियों की मांग के अनुसार चरणबद्ध तरीके से स्टेशनों का विस्तार किया जाएगा।

सैनेटाइज होगी साइकिल: कोरोना संकट को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर साइकिल को सैनेटाइज किया जाएगा। प्राधिकरण ने फरवरी में सेवा शुरू करने की योजना बनाई थी। कोरोना के कारण इस योजना को अमल में लाने में देरी हो गई। 6 महीने की देरी के बाद अब 31 अगस्त को इसे शुरू किया गया। बता दें कि नवी मुंबई के नेरुल में ऐप आधारित साइकिल सेवा की शुरूआत कुछ वर्ष पहले की गई थी। अब तक एक लाख से अधिक लोगों ने इस सेवा का लाभ उठाया है।

चीन भारतीय उपमहाद्वीप को घेर रहा है: पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने बृहस्पतिवार को कहा कि चीन भारतीय उपमहाद्वीप को 'गुप्त रूप से' घेर रहा है और भारत को श्रीलंका तथा नेपाल के घटनाक्रमों पर करीबी नजर रखनी चाहिए। पवार ने ट्वीट किया कि पूर्वी लद्दाख में गतिरोध की पृष्ठभूमि में राकांपा सांसदों सुप्रिया सुले, प्रफुल्ल पटेल, अमोल कोल्हे और वंदना चव्हाण के साथ बातचीत करने के लिए उन्होंने पूर्व विदेश सचिव विजय गोखले और एयर मार्शल भूषण गोखले (सेवानिवृत्त) को आमंत्रित किया था। पूर्व रक्षा मंत्री ने कहा कि बैठक के दौरान उन्होंने चीन में एक व्यापक रणनीतिक और राजनीतिक सोच पर अपनी चिंता व्यक्त की जिसका उद्देश्य भारत के आर्थिक विकास को रोकना है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

चीन से एलएसी पर तनाव

पवार ने ट्वीट किया कि पूर्वी लद्दाख में जारी गतिरोध के बीच एनसीपी सांसदों सुप्रिया सुले, प्रफुल्ल पटेल, अमोल कोल्हे और वंदना चव्हाण के साथ बातचीत करने के लिए उन्होंने पूर्व विदेश सचिव विजय गोखले और एयर मार्शल भूषण गोखले (रिटायर्ड) को आमंत्रित किया था। बता दें कि शरद पवार तत्कालीन पीएम नरसिम्हा राव के कार्यकाल में मई 1991 से लेकर मार्च 1993 तक रक्षा मंत्री रह चुके हैं। पवार ने एक अन्य ट्वीट में कहा, मैंने इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि चीन सभी दिशाओं से भारतीय उपमहाद्वीप को घेरे हुए हैं और उन्होंने दक्षिण चीन सागर में उसकी मौजूदगी को लेकर भी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा, मैंने श्रीलंका और नेपाल के मामलों पर और चीनी हस्तक्षेपों पर निगरानी रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। पवार ने कहा कि विजय गोखले ने भारत-चीन संबंधों के इतिहास, विशेषकर सीमा विवादों के बारे में बात की जबकि एयर मार्शल गोखले ने जोर दिया कि भारत को समानांतर युद्ध के नए युग को ध्यान में रखना चाहिए जिसमें साइबर युद्ध, सूचना युद्ध और आर्थिक मोर्चों पर युद्ध शामिल हैं। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से भारत-चीन सीमा पर तनाव बना हुआ है। चीनी सेना ने पैंगोंग झील के दक्षिणी किनारे पर क्षेत्र पर कब्जा करने के इरादे से पर्याप्त सैनिकों के साथ घुसपैठ करने की कोशिश की थी। हालांकि, भारतीय सेना ने उन्हें रोक दिया और क्षेत्र को जब्त करने के चीन के इरादे को नाकाम कर दिया था। पूर्व रक्षा मंत्री ने कहा कि बैठक के दौरान उन्होंने चीन में एक व्यापक रणनीतिक और राजनीतिक सोच पर अपनी चिंता व्यक्त की जिसका उद्देश्य भारत के आर्थिक विकास को रोकना है।

पुणे में चौंकाने वाली वारदात

मृतक का नाम गणेश है। गणेश 16 अगस्त से घर से लापता था। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच करने वाले वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विवेक मुगलीकर ने बताया कि 16 अगस्त को रहाटणी में रहने वाला युवक संतोष अंगरख (42) अचानक गायब हो गया। उनके गायब होने के दो दिन बाद उनके पिता ने पुलिस स्टेशन में संतोष के अपहरण का केस दर्ज करवाया। इस मामले में पुलिस ने पड़ताल शुरू की और 2 सितंबर को संतोष का शव जमीन के अंदर से निकाला। संतोष की हत्या के आरोप में पुलिस ने गणेश पवार (37) नाम के एक युवक को गुरुवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले में गणेश के दो अन्य साथियों की तलाश भी कर रही है। जांच में सामने आया है कि गणेश और संतोष दोनों अच्छे दोस्त थे। अपहरण के बाद वे संतोष को लेकर वे कासारसाई गए और पहले डंडे से उसे बेहोश किया और फिर जेसीबी की सहायता से उनकी हत्या कि और उसी के सहारे उन्हें जमीन में 10 फीट नीचे दफना दिया। पड़ताल करने वाली पुलिस ने जब संतोष के फोन नंबर की जांच की तो पता चला कि उसने आखिरी कॉल गणेश को की थी। गणेश को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू हुई तो उसने बार-बार बयान बदलना शुरू किया और जब दोनों के बैंक अकाउंट की जांच हुई तो इस मामले में आर्थिक पहलु सामने आया। इसके बाद गणेश पर कड़ाई हुई और उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया।

रिया के भाई का ड्रग्स पैडलर्स से कनेक्शन

इस बीच मीडिया को शोविक चक्रवर्ती के 10 अक्टूबर 2019 के कुछ चैट रिकार्ड्स लगे हैं, जिनमें वे अपने दोस्त से ड्रग्स को लेकर बातचीत कर रहे हैं। 10 अक्टूबर को हुए इस चैट में शोविक से ड्रग्स के लिए उसका दोस्त उससे मदद मांगता है और उसे 5 ड्रग्स बेचने वालों के नंबर देता है। चैट में शोविक का दोस्त उससे 'वीड', 'हैश', 'बड' जैसी ड्रग्स के बारे में पूछ रहा है। शोविक अपने दोस्त को 'बड' नाम की ड्रग्स के लिए जैद और बासित का नंबर देता है। माना जा रहा है कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम ने इन्हीं चैट के आधार पर जैद और बासित को पिछले दो दिन में गिरफ्तार किया है। जो चैट सामने आए हैं उनमें शोविक, सूर्यदीप के रिफरेंस के साथ किसी करमजीत और राज नाम के शख्स का नंबर भी देता है। शोविक कहता है कि इनसे 'गांजा' मिल सकता है। इन चैट्स से जैद, अब्दुल बासित और सूर्यदीप के बीच ड्रग्स कनेक्शन की बात सामने आ रही है।

एप्स के बैन होने के बाद तिलमिलाया चीन

भारत से फैसले में सुधार करने की अपील की

संवाददाता

नई दिल्ली। डिजिटल मोर्चे पर भारत की तरफ किए गए कार्रवाई के बाद से चीन तिलमिला गया है। बता दें कि बुधवार को भारत सरकार ने पबजी समेत 118 चीनी एप पर बैन लगा दिया था। अब चीन ने इसे डब्ल्यूटीओ नियमों का उल्लंघन बताते हुए भारत सरकार से आग्रह किया है कि इस फैसले में सुधार करे। चीनी दूतावास की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि चीन भारत सरकार से आग्रह करता है कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा के बहाने चीनी मोबाइल एप्स को बैन करने के भेदभावपूर्ण व्यवहारों को दूर करे, जो डब्ल्यूटीओ के नियमों का उल्लंघन करते हैं। भारत खुला निष्पक्ष कारोबारी माहौल प्रदान करे। चीन ने

कहा कि वह अपने यहां की कंपनियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानकों और नियमों का पालन करना अनिवार्य बनाया हुआ है। भारत सरकार ये फैसला न सिर्फ चीन के निवेशकों और सर्विस प्रोवाइडर्स के हितों का नुकसान करेगा बल्कि ये भारत में निवेश के माहौल को भी प्रभावित करेगा। इसके साथ ही चीन ने कहा कि भारत और चीन एक दूसरे के लिए विकास के मौके हैं। हम उम्मीद करते हैं कि भारत चीन के साथ विकास की स्थिति के लिए काम करेगा। बता दें कि इससे पहले चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने बयान जारी करते हुए कहा था कि हम एप बैन पर कड़ा एतराज जताते हैं। भारत ने बैन लगाकर कानूनी तौर पर चीनी निवेशकों के हितों की अनदेखी की है। चीन इससे बेहद चिंतित है।

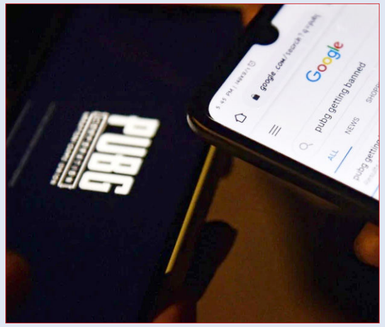

पबजी बनाने वाली कंपनी के शेयर दो फीसदी गिरे: बता दें कि भारत की तरफ से चीनी एप बैन करने के फैसले से चीन में गेमिंग और सोशल मीडिया की बड़ी कंपनी टेनसेंट के शेयर दो फीसदी गिर गए हैं। टेनसेंट कंपनी ने ही पबजी बनाया है।

चीन से तनाव के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा- मुझे पूरा यकीन है कूटनीतिक दायरे में समाधान निकलेगा

नई दिल्ली। भारत-चीन सीमा विवाद पर विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा है कि वह 'पूरी तरह से सहमत' हैं कि विवाद का समाधान कूटनीतिक दायरे में निकालना होगा। उन्होंने कहा कि हकीकत यह है कि सीमा पर जो होता है, उससे भारत-चीन रिश्तों पर असर पड़ेगा। विदेश मंत्री ने कहा, 'अगर आप एक बहुध्रुवीय दुनिया को देख रहे हैं और कल्पना करते हैं कि बहुत से मुद्दों पर लोगों के साथ आपकी समझ है। तो हमारे पास अलग-अलग संयोजन होंगे। एससीओ, क्वाड, आरआईसी में होने के लिए यह वह दुनिया है जिसे हमें समझने की आवश्यकता है।' विदेश मंत्री ने अपनी पुस्तक के विमोचन के मौके पर एक ऑनलाइन कार्यक्रम में कहा, मुझे यह भी जानकारी है कि आपके पास वहीं स्थिति है जो हमारे पास पश्चिमी क्षेत्र (लद्दाख के पार) के सीमा क्षेत्रों में है। क्योंकि हमारा लंबे समय से दृष्टिकोण रहा हैं, वहां हमारी स्थिति बहुत स्पष्ट है- हमारी चीन के साथ सहमति और समझ हैं। दोनों

पक्षों द्वारा किए गए समझौतों और समझ को बारीकी से देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, वास्तविकता यह है कि सीमा पर जो होता है वह संबंध को प्रभावित करेगा, आप इसे अलग नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, मैंने कुछ दिनों पहले एक अन्य संदर्भ में यह बात कही थी, मैं यह कहना चाहूंगा कि मैं पूरी तरह से आश्वस्त हूं कि स्थिति का समाधान कूटनीति के दायरे में ढूंढना होगा और मैं यह जिम्मेदारी के साथ कहता हूं। जयशंकर ने कहा कि भारत-चीन संबंध के लिए यह आसान समय नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्होंने 15 जून को गलवान घाटी में हुई झड़पों से पहले पुस्तक 'द इंडिया वे:स्ट्रैटेजिस फॉर एन अनसर्टेन वर्ल्ड' लिखी थी। गौरतलब है कि गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई झड़पों में 20 भारतीय सैन्यकर्मी शहीद हो गये थे। उधर गुरुवार को विदेश मंत्रालय ने कहा कि पूर्वी लद्दाख में पिछले चार महीने में सीमा पर पैदा हुए हालात इस क्षेत्र में एकतरफा ढंग से यथास्थिति बदलने की चीनी कार्रवाई का प्रत्यक्ष परिणाम है। इसके साथ ही भारत ने जोर दिया कि मुद्दों के समाधान का एकमात्र रास्ता बातचीत है।

हेट स्पीच पोस्ट विवाद

फेसबुक ने भाजपा विधायक टी राजा को बैन किया

उन्होंने कहा- मैं अप्रैल 2019 से फेसबुक का इस्तेमाल ही नहीं कर रहा हूं

नई दिल्ली। हेट स्पीच मामले में विवाद बढ़ने पर फेसबुक ने तेलंगाना के भाजपा विधायक टी राजा सिंह को बैन कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फेसबुक ने कहा, 'हमारे प्लेटफॉर्म के जरिए हिंसा और नफरत फैलाने की कोशिशें रोकने की पॉलिसी नहीं मानने पर यह कार्रवाई की गई है।' भारत में किसी जनप्रतिनिधि के खिलाफ संभवतः

ऐसी पहली कार्रवाई है। उधर, विधायक राजा सिंह ने कहा, मेरा फेसबुक पेज नहीं है। मुझे मीडिया के जरिए बैन करने की जानकारी मिली। मैं अप्रैल 2019 से ही फेसबुक का इस्तेमाल नहीं कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि मेरे नाम से फेसबुक पर कई अकाउंट्स हैं, उनसे जुड़ी पोस्ट के लिए मैं जिम्मेदार नहीं हूं।

टी राजा को इंस्टाग्राम पर भी बैन किया

फेसबुक का कहना है कि हमारी पॉलिसी के खिलाफ जाने वाले यूजर की जांच का दायरा काफी बड़ा है। इसलिए, हमने विधायक के खिलाफ कार्रवाई की है। राजा को फेसबुक के साथ ही इंस्टाग्राम पर भी बैन किया गया है। अल्पसंख्यकों के खिलाफ कमेंट के मामले में राजा पर एक्शन लिया गया है।

इस बैन का क्या मतलब है?

कंपनी के मुताबिक, अब भाजपा विधायक को फेसबुक और इंस्टाग्राम पर फोटो और वीडियो शेयर करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उनसे जुड़े पेज, ग्रुप्स और अकाउंट्स हटा दिए जाएंगे।

फेसबुक पर भाजपा का साथ देने के आरोप लगे थे

पिछले महीने अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत में फेसबुक के अफसर भाजपा नेताओं और उनसे जुड़े ग्रुप्स पर हेट स्पीच के नियम लागू नहीं करते। इसके बाद कांग्रेस ने कहा था कि फेसबुक और भाजपा की साठगांठ है। भाजपा ने पलटवार करते हुए कांग्रेस और फेसबुक की मिलीभगत के आरोप लगाए थे।

बहुजन समाज पार्टी जिला पटियाला पंजाब द्वारा पोस्ट मैट्रिक स्कालरशिप स्कीम में हुए घपले को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया

संवददाता

पटियाला। बसपा अगुआं ने पोस्ट मैट्रिक स्कालरशिप स्कीम में हुए घपले को ले कर मानजोग डिप्टी कमिश्नर को मांग पत्र दिया और रोष प्रदर्शन किया। बहुजन समाज पार्टी जिला पटियाला पंजाब के सुबा प्रधान सरदार जसवीर सिंह गढ़ी जी के दिशा निर्देशन के अनुसार जिला पटियाला के अहुदेडरण वॉलों बलदेव सिंह मेहरा वाइस प्रधान पंजाब की पर्धांगी में मिनी सेक्ट्रिएट विखे धरना प्रदर्शन किया जिस में समूचे पूरे जिला पटियाला के अहुदेदरा और वर्क्रान ने मीटिंग में भाग लिया।

मीटिंग में अनुसूचित जातियां के विडियार्थियान लिए पोस्ट मैट्रिक स्कालरशिप स्कीम के लिए विस्तार के साथ चर्चा हुई। सूबा/परदेस प्रधान जसवीर सिंह गढ़ी दे दिशा निर्देशन के अनुसार बलदेव सिंह मेहरा वाइस प्रधान पंजाब ने कहा के कांग्रेस सरकार पंजाब में अनुसूचित जातियों, पछढ़ियन श्रेणियां, घट गिंटियन दे स्टूडेंट्स के साथ धका कर रही है। वधीक स्कतर ने बताया है के समाजिक नियान शाशक्तिकर्न और घट गिंतिआं के मंत्री साधु सिंह धर्म सोत ने विभाग के डायरेक्टर दे कूझ अधिकारियों के साथ मिलकर पोस्ट स्कालरशिप स्कीम दा 63.91 क्रोर का घपला किया है। उसने कहा के बिना किसी देरी से साधु सिंह धर्म सोट को कैबिनेट मंत्री के अहुदे से बर्खास्त किया जाए। और इस से पहले की स्कालरशिप रकम का आडिट निरपख एजेंसी से करवाए जाएं। बलदेव सिंह मेहरा से बाद पंजाब के जनरल सकतर जोगा सिंह पनोडियन ते मिस राज कुमारी कल्याण ते केसर सिंह जिला प्रधान ते सुरजीत सिंह गोरिया जिला स्कट्र ने वी विस्तार पूर्वक व्याख्या की। ते मंत्री साधु सिंह धर्म सोत को मंत्री के पद/अहुडे से बर्खास्त करने की मांग की। इस मीटिंग में इंचार्ज सुखलाल गुठलियां ने वी मीटिंग में संबोदन किया। राम सरूप बहादुरगढ़ नेलोक सभा जॉन्न इंचार्ज ने वी इस्तीफे की मांग की। बाबा जत्थेदार शेर सिंह ने गरम जोशी में साधु सिंह धर्म सोत के विरूद्ध नाहरे बाजी की। इस मीटिंग में कुश विंदर कल्याण जिला जनरल स्क्तर, छजु सिंह सूबेदार जिल कैशियर, एडवोकेट जसपाल सिंह कामी कलां सीनियर नेता, मघर सिंह तूर इंचार्ज सामना, सतवीर सिंह नईवाला, कुलविंदर सिंह प्रधान सामना, शादी सिंह कैशियर देहाती, लाल चंद जनरल सेक्ट्री सिटी, रवि कुमार मेश्राम जनरल सैक्ट्री देहाती महेश पल इंचार्ज, शंकर दालिया सीनियर नेता, इस से इलावा होर नेता वी मीटिंग में शामिल हुए।

पाकिस्तान ने इस साल सीजफायर उल्लंघन के पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़े, 2950 से ज्यादा बार किया युद्धविराम उल्लंघन

जम्मू। पाकिस्तान ने इस साल सीमा पर युद्धविराम उल्लंघन के पिछले सालों के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए है। वहीं, जम्मू कश्मीर सरकार ने सीमावर्ती इलाको में रह रहे गांव वालो को इस गोलीबारी से बचाने के लिए बंकर बनाने के काम भी तेज कर दिया है। आतंकियों की घुसपैठ करवाने के मकसद से पाकिस्तान ने इस साल जुलाई तक जम्मू कश्मीर में सटी एलओसी और अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर 2950 से अधिक बार युद्धविराम उल्लंघन किया है, जिसमें 15 आम नागरिको और 8 जवानो की शहादत हो चुकी है। पाकिस्तान सीमा पर गोलीबारी कर सेना और बीएसएफ की अग्रिम चौकियों और रिहायशी इलाकों को निशाना बना रहा है। जम्मू कश्मीर सरकार ने करीब 2 साल पहले सीमावर्ती गांव के लोगों को पाकिस्तान

की फायरिंग से बचाने के लिए सीमा पर बंकर बनाने का काम शुरू किया था। जम्मू के मंडलायुक्त संजीव वर्मा के मुताबिक अब तक 80 प्रतिशत से अधिक बंकर बनकर तैयार हो चुके हैं। उनके मुताबिक अब तक जम्मू में पाकिस्तान से सटी अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर जम्मू जिले में 1320 प्रस्तावित बंकरो में से 1098 बंकर बन कर तैयार हैं। वहीं, साम्बा जिले में 2130 प्रस्तावित बंकरो में से 1522 बनकर तैयार हैं जबकि कठुआ में 2126 बंकरों में से 1427 तैयार हैं। अगर बात एलओसी की हो तो जम्मू के राजौरी जिले में 3141 प्रस्तावित बंकरो में से 2483 बन कर तैयार है जबकि पुँछ जिले में 1188 में से 904 बंकर बन कर तैयार हैं। प्रदेश सरकार जरुरत के हिसाब से कम्युनिटी बंकरो और इंडिविजुअल बंकरो को बनाने का काम इस समय कर रही है। हालांकि, सीमा पर इन बंकरो की जरुरत पिछले करीब दो दशकों से थी, लेकिन तब की सरकारों ने इस तरफ ध्यान नहीं दिया। जम्मू के आरएसपुरा के अब्दुल्लियां गांव के अवतार चौधरी ने अपने घर में बंकर 18 साल पहले उस समय बनवाया जब उनके पिता पाकिस्तानी गोली से घायल हो गए। अशोक चौधरी के मुताबिक उन्होंने यह बंकर 18 साल पहले अपने खर्चे पर बनवाया और उस समय इस बंकर में पूरा गांव शरण लेता था।

नुसरत जहां ने साधा पीएम मोदी पर निशाना, कहा- अब ना पबजी में रिवाइवल होगा ना इकोनॉमी में

नई दिल्ली। भारत सरकार ने लोकप्रिय गेमिंग ऐप पबजी सहित 118 अन्य मोबाइल ऐप पर बुधवार को बैन लगा दिया। इन्हें संप्रभुता, अखंडता और रक्षा के लिए खतरनाक मानते हुए इन पर पाबंदी लगायी गयी है। टीएमसी सांसद और एक्ट्रेस नुसरत जहां ने इस मामले पर प्रतिक्रिया दी है। नुसरत जहां ने पीएम मोदी पर टैग करते हुए ट्वीट किया, मोदी बाबू बाबू बेकाबू! अब ना पबजी में रीवाईवल होगा ना ईकोनॉमी में। अब हम क्या करें? यह पहली बार नहीं है कि नुसरत ने किसी मुद्दे पर अपनी राय रखी हो। नुसरत अक्सर अलग अलग मुद्दों पर अपनी राय रखती हैं और उनके बयान सुर्खियों में भी रहते हैं। इससे पहले नुसरत ने टिक टॉक के बैन होने पर अपनी राय रखी थी। नुसरत ने टिक टॉक बैन के फैसले पर नाखुशी जाहिर की थी। बंगाल की मशहूर एक्ट्रेस नुसरत जहां पश्चिम बंगाल के बशीरहाट सीट से सांसद हैं। उन्होंने टीएमसी के टिकट पर चुनाव लड़ा था और भारी मतों से जीत हासिल

की थी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रतिबंधित ऐप में बायदू, बायदू एक्सप्रेस एडिशन, टेनसेंट वॉचलिस्ट, फेसयू, वीचैट रीडिंग और टेनसेंट वेयुन के अलावा पबजी मोबाइल और पबजी मोबाइल लाइट शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि ये सभी प्रतिबंधित ऐप चीन से जुड़ी कंपनियों के हैं। सरकार ने इससे पहले टिकटॉक और यूसी ब्राउजर समेत चीन के कई अन्य ऐप पर प्रतिबंध लगाया था। बयान में कहा गया, सरकार ने 118 ऐसे ऐप पर प्रतिबंध लगा दिया है, जो भारत की संप्रभुता और अखंडता, भारत की रक्षा, राज्य की सुरक्षा और शांति-व्यवस्था के लिए खतरा हैं। इसमें कहा गया कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्रालय को विभिन्न स्त्रोतों से कई शिकायतें मिली हैं। इन शिकायतों में एंड्रॉयड व आईओएस जैसे प्लेटफॉर्म पर मौजूद कुछ मोबाइल ऐप के उपयोक्ताओं (यूजरों) का डेटा चुराकर देश से बाहर के सर्वरों पर भंडारित किये जाने की रिपोर्ट भी शामिल हैं।

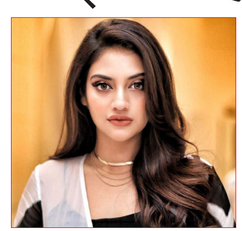

बुलढाणा हलचल

शराब के लिए पैसे ना देने पर पोते ने की दादी की हत्या

बुलढाणा। शराब के लिए पैसे नहीं देने पर अपनी दादी की गर्दन में चाकू मारकर हत्या करने की घटना गुरुवार 3 सितंबर, 2020 को लोणार तहसील के खुरमपुर गांव में सामने आई है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक लक्ष्मीबाई लिंबाजी नागरे (उम्र 50) जो कि खुरमपुर के एक पूर्व सैनिक की पत्नी थी। आरोपी नामदेव भावराव नागरे (40) ने अपने शराबी पोते को शराब के लिए पैसे देने से मना कर दिया। उसने गुस्से मे आकर दरांती अपने हाथ में ली और अपनी दादी की गर्दन पर सीधे वार किया जिससे लक्ष्मीबाई नागरिक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।जैसे ही सरपंचपति समधन राठौर को इस मामले के बारे में पता चला,

उन्होंने इस संबंध में लोणार पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलने पर, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रविन्द्र देशमुख, पुलिससब-इंस्पेक्टर अजहर शेख, पोहे कॉ,सुरेश काळे, लेखक चंद्रशेखर तुरड़कर, पोहे बंसी पवार, गोपनीय विभाग के कैलास चतरकर, पु. कॉ रविंद्र बोर, ड्राइवर गजानन ठाकरे ने घटनास्थल पर पहोच कर निरीक्षण किया।जबकि आरोपी भागने की फिराक में था, उसे ग्रामीणों की मदद से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के खिलाफ लोणार पुलिस सटेशन में आईपीसी नंबर 235/20 की धारा 302 के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जि.पो.आ दिलीप पाटिल भुजबल के मार्गदर्शन में, पुलिस के वरिष्ठ निरीक्षक रवींद्र देशमुख, उप-निरीक्षक अजहर शेख, लेखक चंद्रशेखर तुर्डक र, पोहेको-सुरेश काले, पोकि रविंद्र बोर कर रहे हैं।

बुलढाणा जिला कलेक्टर कार्यालय पर विभिन्न मांगों को लेकर दो अनशन

बुलढाणा। भारतीय बेरोजगार संघ के दौरा बेरोजगार युवकों को स्वय रोजगार उपलब्ध कराने के लिए जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने अनशन आज 3 सितंबर से शुरू किया है। सरकार का ध्यान आकर्षित कराने के लिए ईस सिलसिले में भारतीय बेरोजगार संघ द्वारा जिला कलेक्टर को एक निवेदन दिया गया। निवेदन में उल्लेख है कि सदियों से हमारे देश में लूट की प्रार्थना चली आई है 1947 देश को स्वतंत्र के बाद भारतीय काले अंग्रेजो ने लूटा। 1952 का आर्थिक बजट से लेकर अब तक लूट ही मची है तभी से भारत देश में बेरोजगारी तेजी से बढ़ रही है यू समझो ब्लैक एंड वाइट की जमाने से तो आज तक हमारे लाखों युवा युवती बेरोजगार हो गए हैं आज जहां देखो वहां करोना इसके सिवा कुछ और सुनाई नहीं दे रहा है जबकि देश में कोरोना की वजह से लाखों युवा युवा बेरोजगार हो गए हैं। देश में कोरोनावायरस की बीमारी से ज्यादा खतरनाक बीमारी ही बेरोजगारी दिखाई दे रही है।

भारत सरकार बेरोजगारों के आर्थिक उत्थान और विकास में कोई ठोस निर्णय लिया जाए। ताकि बेरोजगारी की समस्या हल की जा सके। भारतीय बेरोजगार संघ ने सरकार से मांग की है कि बेरोजगारी भत्ता लागू किया जाए हर क्षेत्र में रिक्तियों को तुरंत भरा जाना चाहिए बेरोजगार लोगों को महा मंडलों की ओर से पहले दिए गए लोन को माफ कर उन्हें उनकी काबिलियत के अनुसार उन्हें सरकार की ओर से डायरेक्ट पकर्ज. के प्राप्त कराई जाए। सरकारी कामों में बेरोजगार युवाओं को निविदा स्वरूप काम देने का प्रावधान। बेरोजगार युवाओं को समय रोजगार के अवसर और कार्यकर्ता के आधार पर सुलभ इक्षण सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए। इस तरह की मांग को लेकर भारतीय बेरोजगार संघ द्वारा जिला कलेक्टर कार्यालय पर 3 सितंबर से अनशन पर बैठे हैं। दूसरा अनशन धारक राशिद खान गुलाब खान प्रहार संघटना की जिला कार्यकर्ता नझुल शिट नं१३ इकबाल नगर परिसर के पट्टे वाटप करने को लेकर उन्होंने आज जिला कलेक्टर पर आंदोलन शुरू किया ।उन्होंने जिला कलेक्टर को दिए गए निवेदन में कहा है कि इकबाल नगर वार्ड नंबर 6 की रुके हुए लेआउट के वाटप नहीं किए गए। परिसर के रहवासियों ने लेआउट ना होने के कारण कुछ रहेवासियों ने रोड पर ही घर बांधे हुए हैं। नगर प्रशासन ने उन रहेवासियों को टैक्स लागू किया गया है। परंतु इस अतिक्रमण धारकों को जगह की समान वाटप अब तक भी नहीं हुई है। इस मंजूर हुई नगर बस्ती को अब तब भी समान वाटप नही कीया गया, अब कुछ नागरिकों ने 20 फुट तो किसी ने 10 .40 में घर बनाए है। खुद अनशन कर्ता राशिद खान का कहना है कि मुझे नियम के अनुसार 16 बाई 40 चौरस फूट किस जमीन मिलना चाहिए ऐसा भी उन्होंने निवेदन में कहां है आगे निवेदन में यह भी उल्लेख है कि सन 1983 में 366 प्लाट मंजूर हुए हैं उसमें से 16 प्लाट बाकी है। इस मामले को लेकर इस मामले को लेकर कई बार राशिद खान इन्होंने जिला कलेक्टर एसडीओ मुख्य अधिकारी तहसीलदार इन इन वरिष्ठ अधिकारियों को बार-बार अवगत कराने के बावजूद भी शासन ने कोई कार्यवाही नहीं की इसके बाद आज फिर 3 सितंबर से इसी मांग को लेकर जिला कार्यालय पर अनशन जारी किया है।

शिक्षक दिवस पर 'आदर्श जीवन' पुरस्कार के लिए ॲड नाजीर काजी, डॉ गणेश गायकवाड़ व ॲड गिरीश दुबे का चयन

बुलढाणा। बुलडाणा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक और खेल के क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई है। देउलगांव घुबे के भारत शिक्षण प्रसारक मंडल के संस्थापक अध्यक्ष शेनफडराव घूबे पाटिल के जन्मदिन के अवसर पर सामाजिक, सांस्कृतिक, शिक्षा और साहित्य के साथ-साथ पत्रकारिता के क्षेत्र में रचनात्मक कार्य करने वाले प्रतिष्ठित व्यक्तियों को इस पुरस्कार के लिए चुना जाता है। संगठन द्वारा जिला स्तरीय आदर्श जीवन पुरस्कार वर्ष 2019-20 से शुरू किया गया है।वर्ष 2020-21 के लिए इस वर्ष का पुरस्कार समाजशास्त्र, राजनीति और शिक्षा के क्षेत्र में अथक परिश्रम करने वाले सिंदखेड राजा के एडवोकेट नजीर काजी को चुना गया है। इसी तरह पुरस्कार बुलडाणा के प्रसिद्ध सर्जन वरिष्ठ गजलकार डॉ. गणेश गायकवाड़। चिखली से साहित्य के साथ-साथ पत्रकारिता के क्षेत्र में पूरी तरह से सेवारत कार्य करने वालेले ॲड. गिरीश दुबे को चुना गया है। पुरस्कार शॉल, नारियल, स्मृति चिन्ह और प्रशंसापत्र के रूप में जिले की हरित क्रांति के जनक वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री भारतभाई बोन्द्रे के हाथों से जानकी देवी विद्यालय शनिवार 5 सितंबर को दोपहर 1 बजे देउलगांव घूबे में प्रदान किया जाएगा।इस अवसर पर, जिन छात्रों ने 10 वीं की परीक्षा में जानकी देवी विद्यालय से उच्च दक्षता वर्ग में प्रथम, द्वितीय और तृतीय उत्तीर्ण किया है और खेल के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों और उनके माता-पिता को सम्मानित किया जाएगा, उन्होंने कहा कि संस्थान के अध्यक्ष शेनफडराव घूब ने घोषणा की है।

परीक्षणों की संख्या बढ़ाकर संक्रमण को नियंत्रित करें,
पालक मंत्री द्वारा आयोजित कोरोना समीक्षा बैठक

बुलढाणा। कोरोना वायरस के संक्रमण की घटनाएं बढ़ रही हैं। इस पृष्ठभूमि के खिलाफ, जिले में कोरोना डायग्नोस्टिक परीक्षणों को तेज किया जाना चाहिए। रोगियों के संपर्क में अधिक से अधिक लोगों की जांच करें। राज्य के खाद्य और औषधि प्रशासन मंत्री और पालक मंत्री ना. डॉ राजेंद्र शिंगणे द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिला सर्जन की उपस्थिति में पालक मंत्री की अध्यक्षता में जिला सामान्य अस्पताल में कोरोना संक्रमण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। उस समय समीक्षा के दौरान अभिभावक मंत्री बोल रहे थे। जिला कलेक्टर षमणमुखराजन, जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. दिलीप पाटिल- भुजबल, जिला सर्जन डॉ. प्रेमचंद पंडित और संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। कोविड अस्पताल में तुरंत आरटीपी सीआर प्रयोगशाला शुरू करने का निर्देश देते हुए, पालक मंत्री डॉ. शिंगणे ने कहा कि लैब के उपकरण अप-टू-डेट होने चाहिए। प्रयोगशाला को तुरंत शुरू किया जाना चाहिए। साथ ही जनशक्ति भी उपलब्ध कराई जाए। इसी तरह, कोविड अस्पताल के जनशक्ति मुद्दे को हल किया गया है और पूरा स्टाफ वहां उपलब्ध कराया गया है। जिले में परीक्षण बढ़ाकर कोरोना को कैसे नियंत्रित किया जाए, इस पर चर्चा हुई। इस संदर्भ में, उनके विचारों को जानने के लिए जनप्रतिनिधियों और विशेषज्ञों की एक बैठक जल्द बुलाई जानी चाहिए। पालक मंत्री डॉ. शिंगणे ने संबंधित अधिकारियों को ऑक्सीजन टैक की स्थापना के लिए कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। इस समय, पालक मंत्री ने कोविड से संबंधित विभिन्न मुद्दों के बारे में जानकारी ली।

समस्तीपुर हलचल

निषाद समाज की बैठक सम्पन्न, वीआईपी में ज्वाईन कर सकते हैं राजेश सहनी

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर ब्लॉक के अंतर्गत कशोर गांव निवासी रामबाबू सहनी के निवास स्थान पर गुरुवार को जिला मत्स्यजीवी सहकारी संघ की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला मत्स्यजीवी सहकारी संघ के अध्यक्ष राजेश कुमार सहनी ने की। उन्होंने बैठक में हुए निषाद समाज के लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपलोग इस संस्था को मजबूती प्रदान करें। राजेश कुमार सहनी ने कहा कि आपलोग का सहयोग रहा तो हमारा यह संघ बेहद मजबूत होगा। आगे उन्होंने कहा कि इसी वर्ष बिहार में विधानसभा का चुनाव होने जा रहा है। अगर वीआईपी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश सहनी मुझे वारिसनगर विधानसभा क्षेत्र से टिकट देने का वादा करते हैं तो मैं लोजपा छोड़कर वीआईपी में शामिल हो जाऊंगा। उन्होंने कहा कि यहां के आवाम का सहयोग मिला तो वारिसनगर विधानसभा क्षेत्र से मुझे अवश्य कामयाबी मिलेगी। बैठक के दौरान संघ के जिला अध्यक्ष ने रामबाबू सहनी को जिला मत्स्यजीवी सहकारी संघ का जिला महामंत्री पद के लिए मनोनित पत्र देकर सम्मानित किया। इस प्रकार रामबाबू सहनी ने संघ के जिला महामंत्री पद पर मनोनित किए जाने पर संघ के परिवार को धन्यवाद दिया। ईधर रामबाबू सहनी ने बिहार सरकार से मांग किया कि इस वर्ष अधिक वर्षा होने से जिला के सभी प्रखंडो में मछुआरे भाईयों का शैलाब आने के कारण तालाबों से मछली का जीरा भाग गया जिसके कारण मछुआरे भाईयों का आर्थिक क्षति हुई है। इसलिए सरकार मछुआरा भाईयों को बाढ़ राहत के तहत इन्हें अधिक मदद करने का काम करें। मौके पर हरे राम सहनी, मोहन सहनी, लखनपट्टी के सरपंच रमन सहनी, जितेंद्र सहनी, राम बालक सहनी, लालो सहनी, राजेश सहनी, युगल सहनी, प्रमोद सहनी, बुद्धु सहनी,पुरोसी सहनी, मंजय सहनी आदि मौजूद थे।

नाबार्ड बिहार के क्षेत्रीय कार्यालय में डॉक्टर सुनील कुमार बने मुख्य महाप्रंधक, लोगों ने दी बधाई

समस्तीपुर। नाबार्ड बिहार क्षेत्रीय कार्यालय में डॉ. सुनील कुमार मुख्य महाप्रबंधक के पदभार ग्रहण करने पर डीडीएम नाबार्ड जयंत विष्णु, सहयोगी संस्था औसेफा के निदेशक देव कुमार, डीएसपीके के सचिव महेश कुमार एवं अन्य संस्था के प्रतिनिधि ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। डीडीएम नाबार्ड, समस्तीपुर श्री विष्णु ने बताया कि डॉ. सुनील कुमार ने 01 सितंबर 2020 को नाबार्ड (राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक), बिहार क्षेत्रीय कार्यालय, पटना का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। डॉ. कुमार ने एम.ए. (अर्थशास्त्र), एमबीए (वित्त) और प्रतिष्ठित भारतीय प्रबंधन संस्थान, लखनऊ से अर्थशास्त्र में पीएचडी किया है। उन्होंने 1988 में नाबार्ड, प्रधान कार्यालय, मुंबई में डायरेक्ट स्क्रूट ऑफिसर (ग्रेड ए) के रूप में ज्वाइन किया। उनके पास ग्रामीण ऋण, परियोजना मूल्यांकन, नीति विकास, सूक्ष्म ऋण, संस्थागत विकास, परामर्श सेवाएं, मानव संसाधन प्रबंधन आदि में व्यापक और विविध अनुभव हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश, नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालयों और प्रधान कार्यालय, मुंबई में विभिन्न क्षमताओं में काम किया है। उन्होंने बैंकर्स इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट (बर्ड), लखनऊ में संकाय सदस्य के रूप में भी काम किया है। बिहार क्षेत्रीय कार्यालय में आने से पहले, वह वित्तीय समावेशन और बैंकिंग प्रौद्योगिकी विभाग, नाबार्ड प्रधान कार्यालय, मुंबई में मुख्य महाप्रबंधक थे। उपरोक्त के अलावा, डॉ. कुमार एक उत्सुक एवं शौकीन पाठक भी हैं। उन्हें अर्थशास्त्र, वित्त, माइक्रो क्रेडिट आदि पर विभिन्न प्रकार की पुस्तकों/पत्रिकाओं को पढ़ने का बहुत शौक है। विभिन्न प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में उनके प्रकाशन भी हैं। उन्हें भारत में प्रतिष्ठित प्रबंधन कॉलेजों के साथ-साथ विदेशों में भी कई प्रशिक्षण प्राप्त किए हैं।

रामपुर हलचल

महिला को किया जा रहा है प्रताड़ित

टांडा (रामपुर)। नगरीय मोहल्ला बरगद निवासी मुबीना बेगम पत्नी अशरफ अली ने अपना पुत्र अरशद अली का विवाह 7वर्ष पूर्व अपनी सगी भतीजी शबाना बेगम के साथ मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार किया था विवाह के कुछ माह बाद से ही सास मुबीना बेगम बेटा बहू शबाना बेगम में घरेलू काम काज आदि को लेकर अनबन होना शुरू हो गई, जबकि शबाना बेगम तीन बच्चों की माँ है एक पुत्र मुहम्मद फैज उम्र 6वर्ष, व नाईला उम्र 3वर्ष, व माहिरा उम्र 2 वर्ष, के छोटे छोटे बच्चे हैं, आये दिन शबाना बेगम किसी अन्य युवक से फोन पर बातें करती है तब सास फोन पर बात किये जाने को लेकर मना करती है ऐसी स्थिति में सास बहू दोनों में लड़ाई झगड़ा व गली गलौच होना शुरू हो जाती है। इसी को लेकर बेटा बहू तीनों बच्चों सहित आग लगाकर जान गवाये जाने को तथा गम्भीर केसों में फंसाये जाने की धमकियां दी जाती हैं पत्र में कहा गया है कि कभी भी किसी भी समय बेटा बहू स्वयं व तीनों बच्चों सहित आग लगाकर जान गवाये व जान से मारे जाने की घटना को अन्जाम दिया जा सकता है साथ ही पूरे परिवार वालों को बुरी तरह प्रताड़ित किया जाता है। जिसके चलते खतरा मंडराता दिखाई दे रहा है सास मुबीना बेगम ने पुलिस को घटना से सम्बंधित अगवत कराये जाने को लेकर उचित कार्यवाही हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया है जिसके चलते अग्रिम होने वाली घटना से बचा जा सके।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बाल झड़ने की समस्या को प्याज के इस्तेमाल से करें दूर

आजकल लड़की हो या लड़का झड़ते बालों की समस्या को लेकर हर कोई परेशान है। इससे छुटकारा पाने के लिए लोग कैमिकल युक्त शैम्पू और मंहगे हेयर ट्रीटमेंट लेते है लेकिन यह बालों को और भी खराब कर देता है। इसकी बजाए आप कुछ घरेलू तरीके अपनाकर इस झड़ते बालों की समस्या को हमेशा के लिए दूर कर सकते हैं। आज हम आपको झड़ते बालों की समस्याएं को प्याज की मदद से दूर करने के तरीकें बताएंगे। प्याज का इन तरीकों से इस्तेमाल आपके बाल झड़ने से लेकर ड्रैंडफ तक की समस्या को दूर करके उन्हें घना और मुलायम बनाएगा।

1. प्याज और शहद

2 प्याज के रस में 2 टेबलस्पून शहद मिला कर बालों और स्कैलप पर लगाएं। इसे 20 मिनट लगाने के बाद पानी से बालों को धो लें। हफ्ते में 2-3 बार इस मिक्चर का इस्तेमाल झड़ते बाल और ड्रैंडफ को खत्म कर देता है।

2. प्याज और रम

1 प्याज को 8 ड्ढ९ पानी में डालकर सॉफ्ट होने तक उबाल लें। इसे ठंडा करने के बाद इसमें रम मिक्स करके इसे कवर कर दें और रातभर के लिए छोड़ दें। सुबह इसे स्कैलप और बालों में 15 मिनट लगाकर शैम्पू से सिर को धोएं। 2-3 हफ्ते तक इसका इस्तेमाल बाल झड़ने की समस्या को दूर कर देगा।

3. प्याज का रस

4-5 प्याज को बारिक काटकर 1 लीटर पानी में उबालें। उबालने के बाद इसे छान कर ठंडा कर लें। बालों को शैम्पू से धोने के बाद इस प्याज मिक्चर को स्कैलप और बालों में लगा लें। हफ्ते में 2-3 बार इसका इस्तेमाल ड्रैंडफ और झड़ते बालों की समस्या को दूर कर देगा।

अगर आपको भी है बैठे-बैठे पैर हिलाने की आदत तो जरा हो जाएं सावधान

समय फ्री होने पर या खेल-खेल में लोग अक्सर पैर हिलाने लगते हैं। धीरे-धीरे ये खेल उनकी आदत में बदल जाता है। कुछ लोग को तो यह आदत इस हद तक लग जाती है कि वो लेट कर भी पैर हिलाते रहते हैं। एक रिर्सच के अनुसार 10 फीसदी लोगों को यह आदत होती ही है। ज्यादातर यह लक्षण 35 साल से अधिक लोगों में पाए जाते हैं लेकिन आजकल इससे कम उम्र के लोगों को भी यह आदत हो जाती है। अगर आपको भी बैठ या लेट कर पैर हिलाने की आदत है तो जरा सावधान हो जाइए कहीं पैर हिलाने की ये आदत आपके लिए खतरा न बन जाए। आपके पैर हिलाने की यह आदत रेस्टलेस सिंड्रोम के लक्षण भी हो सकते हैं। आइए जानते है इसके बारे में कुछ और बातें।

क्या होता है रेस्टलेस सिंड्रोम

यह बीमारी आयरन की कमी के कारण होती है। ज्यादातर 35 साल से अधिक उम्र के लोगों में यह बीमारी पाई जाती है लेकिन आजकल पैर हिलाने की आदत तो आजकल इससे कम उम्र के लोगों में भी होती है। नर्वस सिस्टम से जुड़े इस रोग में डोपामाइन हार्मोन श्रावित होने के कारण ऐसा बार-बार करने का मन करता है। इस समस्या को स्लीप डिसऑर्डर भी कहा जाता है। नींद पूरी न होने पर इंसान थका हुआ महसूस करता है। इसके लक्षण दिखने पर आपको तुरंत ब्लड टेस्ट करवाना चाहिए।

रिसर्च के अनुसार यह है कारण

यह रोग ज्यादातर आयरन की कमी और नींद पूरी न होने के कारण होता है। इसके अलावा यह रोग किडनी, पार्किंसंस से पीड़ित मरीजों, शुगर, बीपी, हृदय और महिलाओं में डिलीवरी के आखिरी दिनों में हार्मोनल बदलाव के कारण भी हो सकता हैं।

इलाज है संभव?

यह बीमारी ज्यादातर नींद पूरी न होने और आयरन की कमी के कारण होती है।

इसलिए इस बीमारी में आयरन और अन्य दवाएं दी जाती है, जिसे सोने से दो घंटे पहले लेना होता है। यह दवाएं नींद की बीमारी को दूर करके स्थिति को सामान्य करती है।

घरेलू नुस्खें

दवाओं के अलावा इस बीमारी को दूर करने के लिए आप कुछ घरेलू नुस्खें भी कर सकते हैं। अपनी डाइट में आयरनयुक्त चीजें जैसे पालक, सरसों का साग, चुकंदर, केला आदि लें। इसके अलावा रोजाना व्यायाम, हॉट एंड कोल्ड बाथ और वाइब्रेटिंग पैड पर पैर रखने से इस परेशानी से छुटकारा मिलता है।

इन चीजों से रहें दूर

रात को भोजन के बाद चाय-कॉफी लेने से बचें। इसके अलावा सोने से पहले टीवी, स्मार्टफोन, गैजेट्स और लैपटॉप का इस्तेमाल न करें। रात में हल्का खाना लें ताकि नींद अच्छी आए। इसके अलावा शराब और स्मोकिंग से भी दूरी बनाएं।

पाना चाहती हैं क्यूट-क्यूट डिंपल्स, तो करें ये आसान काम!

आजकल खूबसूरत दिखने के लिए लड़कियां अपनी पर्सनालिटी और चेहरे का खास ख्याल रखती है। चेहरे की सुरंदता के लिए आंखें, होंठ और गालों का सुदंर होना भी बहुत जरूरी है। आंखों और होंठो को तो लड़कियां मेकअप के जरिए सुदंर दिखा सकती है लेकिन गालों की सुदंरता तो क्यूट डिंपल्स से ही होती है। कुछ लड़कियों के गालों पर नेचुरल डिंपल्स पड़ते है लेकिन कुछ गालों पर इन्हें दिखाने के लिए कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स का सहारा लेती है। कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स की बजाए आप नेचुरल तरीकों से गालों पर क्यूट-क्यूट डिंपल्स बना सकती है। इससे आपकी स्किन को कोई नुकसान भी नहीं होगा और आपकी पर्सनेलटी को भी चार चांद लग जाएंगे। आइए जानते है किन नेचुरल तरीके से आपके गालों पर क्यूट डिंपल्स दिखाई देने लगेंगे।

क्यूट डिंपल्स के लिए करें ये व्यायाम

1. स्माइल एक्सरसाइज

डिंपल्स दिखाने के लिए गालों के बीच के हिस्से पर उंगलियां अंगूठे से प्रैशर डालें और लगातार स्माइल करते रहें। रोजाना 30 मिनट यह एक्सरसाइज करने कुछ ही हफ्तों में आपके गालों में आपको डिंपल दिखाई देने लगेंगे।

2. पाउट एक्सरसाइज

अपने होंठों को बाहर निकाल कर गालों को अंदर खींचकर पाउट पोज बना लें। रोजाना 25 से 30 मिनट तक यह एक्सरसाइज करें। इसका असर कुछ ही हफ्तें में नजर आने लगेगा।

3. चौड़ी मुस्कान

रोजाना 25 से 30 मिनट तक चौड़ी मुस्कान के साथ गालों के बीच उंगली से दबाव बनाए रखें। ऐसा रोजाना करने से आप नेचुरल तरीके से परमानेंट डिंपल्स पा सकते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'रॉकस्टार' की एक्ट्रेस को हुआ अमेरिका के शेफ से प्यार

बॉलीवुड एक्ट्रेस नरगिस फाखरी इन दिनों कैलिफोर्निया में हैं। लंबे समय के बाद नरगिस ने फैंस का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। हाल ही में नरगिस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीडियो शेयर की हैं जिनमें वो गोली चलाना सीख रही हैं। वहीं वीडियो के साथ फाखरी ने एक फोटो भी शेयर किया है जिसमें वो किसी करीबी के साथ मस्ती करते नजर आ रही हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने फिल्म रॉकस्टार से जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की। फिल्म रॉकस्टार में उन्होंने रणबीर कपूर के साथ काम किया था। उदय चोपड़ा के साथ रिलेशन के बाद उनका ब्रेकअप हुआ और फिर उन्होंने फिल्ममेकर मैट अलोन्जो को डेट करना शुरू किया, लेकिन दोनों ज्यादा समय तक साथ नहीं रह पाए थे। लेकिन अब इन दिनों नरगिस अमेरिकन शेफ जस्टिन संटोस को डेट कर रही हैं।

'आदिपुरुष' में लंकेश के रोल में दिखेंगे सैफ, करीना बोलीं– सबसे हैंडसम दानव

सुपरस्टार प्रभास अब फिल्म 'आदिपुरुष' में प्रभु राम के किरदार में नजर आने वाले हैं। बीते दिनों जब यह खबर सामने आई थी तो उनके फैंस काफी एक्साइटेड हो गए थे। अब फिल्म को लेकर नया अपडेट सामने आया है जो और भी इंट्रेस्टिंग है। दरअसल, डायरेक्टर ओम राउत की इस मेगा बजट 3डी फिल्म में सैफ अली खान विलन के अवतार में नजर आएंगे। वह लंकेश के किरदार में दिखेंगे। इस बात की जानकारी मूवी क्रिटिक तरण आदर्श ने अपने ट्विटर अकाउंट पर दी है। इस खबर पर सैफ की पत्नी करीना कपूर खान का भी रिऐक्शन आया। उन्होंने फिल्म के पोस्टर को शेयर करते हुए लिखा, इतिहास का सबसे हैंडसम दानव...माई मैन सैफ अली खान। प्रड्यूसर भूषण कुमार ने बताया, सैफ ने तान्हाजी में उदयभान के रोल से हम लोगों के होश उड़ा दिए। अब वह आदिपुरुष में अपने रोल से और ऊंचाई छूनेवाले हैं। अच्छे और बुरे की इस लड़ाई में प्रभास के साथ वह पर्फेक्ट चॉइस हैं। पोस्टर में लंकेश यानी रावण को दिखाने की कोशिश की गई है। पोस्टर से साफ है कि यह फिल्म हिंदी समेत तेलुगू, तमिल, कन्नड़ और मलयालम जैसी भाषाओं में रिलीज होगी। 'आदिपुरुष 3डी' हिंदी ओर तेलुगू में फिल्माई जाएगी जबकि तमिल, मलयालम, कन्नड़ और कई इंटरनैशनल लैंग्वेज में डब की जाएगी। फिल्म अभी प्री-प्रॉडक्शन स्टेज में है जिसकी शूटिंग 2021 से शुरू हो सकती है। फिल्म के 2022 में रिलीज होने की उम्मीद है।

बिग बॉस 14 के लिए सलमान लेंगे इतनी फीस

सबका फेवरेट शो बिग बॉस 14 सीजन जल्द ही दर्शकों को एंटरटेन करने के लिए तैयार। बिग बॉस 14 शुरू होने से पहले ही काफी सुर्खियां में बना हुआ है। कभी बिग बॉस के कंटेस्टेंट को लेकर तो कभी घर के फॉर्मेट को लेकर। वहीं हाल ही में अब सलमान खान की फीस को लेकर बिग बॉस 14 सीनज काफी सुर्खियां बटोर रहा है। आपको बता दें, एक्टर सलमान खान बिग बॉस का सीजन 14 भी होस्ट करने को तैयार हैं। अक्टूबर में देश का सबसे बड़ा रियलिटी शो शुरू हो जाएगा और कई कंटेस्टेंट हो जाएंगे एक घर में बंद। हमेशा की तरह इस बार भी सलमान खान की फीस सुर्खियों में बनी हुई है। सलमान खान की बिग बॉस फीस हर सीजन सभी को हैरान करती है। इस बार भी एक्टर जितनी फीस मांग रहे हैं, वो देख हर कोई हैरान रह गया है। सूत्रों के अनुसार खबर है कि सलमान खान बिग बॉस 14 होस्ट करने के लिए 450 करोड़ रुपये लेंगे। इस हिसाब से हर एपिसोड के 20 करोड़ रुपये सलमान खान को मिलेंगे। ये खबर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है और साथ ही इस खबर को पढ़कर हर कोई हैरान हो रहा है। आपको बता दें, इस खबर की जानकारी खुद सलमान ने नहीं दी है। लेकिन सूत्रों के अनुसार इस बात को बताया जा रहा है कि सलमान खान पिछले सीजन से ज्यादा इस बार फीस ज्यादा लेंगे। सलमान खान की फीस को लेकर हमेशा ही चर्चाएं होती हैं। जब भी बिग बॉस का नया सीजन शुरू होता है सलमान खान की फीस पर सबकी निगाहें टिक जाती हैं।